RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : गुरुवार 22 मई 2025 वर्ष 07 अंक 33 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

मुंबई सहित ठाणे और पालघर में आगामी तीन दिनों के लिए येलो अलर्ट...

Page - 2

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

उद्धव-राज ठाकरे फिर साथ ?

शिवसेना UBT ने दिखाया भरोसा, कहा- अब फैसला महाराष्ट्र के हित में होगा

मुम्बई: महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर दो चचेरे भाइयों के मिलने की उम्मीद जगी है। शिवसेना (यूबीटी) ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना से संभावित गठबंधन को लेकर सकारात्मक संकेत दिए हैं और साफ कहा है कि अब राज ठाकरे को महाराष्ट्र के हित में अंतिम फैसला लेना चाहिए। शिवसेना नेता का यह बयान ऐसे समय में आया है जब राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव नजदीक हैं और भाजपा सरकार पर राजनीतिक अस्थिरता के आरोप लग रहे हैं।

गठबंधन की संभावना से महाराष्ट्र की सियासत में नई हलचल देखी जा रही है। स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर शिवसेना ने सरकार पर देरी का आरोप लगाया है। पार्टी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस के मुताबिक चार महीनों के भीतर चुनाव कराने चाहिए, लेकिन सरकार अंदरूनी सियासत में उलझी है। बीएमसी चुनाव में कोई आरक्षण संबंधी अड़चन नहीं है और सीटों की संख्या तय होते ही चुनाव कराए जा सकते हैं। उन्होंने यह भी साफ किया कि पार्टी अब जनता के बीच जाने को तैयार है और फैसले का इंतजार कर रही है।

राजनीतिक मेलजोल की नई राह

शिवसेना (यूबीटी) ने साफ किया कि उन्होंने कभी बातचीत के रास्ते बंद नहीं किए और राज्य की जनता चाहती है कि ठाकरे परिवार एकजुट हो। दोनों नेताओं के हाल के बयान और मुलाकातों से उम्मीद बनी है कि पुरानी दूरियों को भुलाया जा सकता है। हालांकि, मनसे के कुछ नेताओं की आपत्तियों ने अब तक इस प्रक्रिया को धीमा किया है, लेकिन अब बॉल राज ठाकरे के पाले में है। पार्टी ने भरोसा जताया है कि चुनाव से पहले फैसला जरूर होगा।

सरकार पर देरी और अंदरूनी झगड़ों के आरोप

शिवसेना ने भाजपा पर आरोप लगाया कि सत्ता में होने के बावजूद सरकार असंतुलन और आपसी खींचतान में फंसी हुई है। राज्य मंत्रिमंडल में विवादित नेताओं को शामिल किए जाने और कार्यकताओं की अनदेखी से असंतोष बढ़ा है। बीएमसी चुनाव की देरी को भी इसी का हिस्सा बताया जा रहा है। पार्टी ने कहा कि अगर सरकार तय करे तो कल ही चुनाव कराए जा सकते हैं, लेकिन जानबूझकर प्रक्रिया को लंबा खींचा जा रहा है।

मुंबई मीठी नदी सफाई घोटाले में ED की एंट्री!

65 करोड़ की हेराफेरी... अब अधिकारियों की खैर नहीं

मुंबई: मीठी नदी सफाई परियोजना में हुए बड़े घोटाले में अब ED की भी एंट्री हो गई है। ED ने मुंबई EOW की जांच के आधार पर ECIR दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। ED की एंट्री के बाद इस घोटाले में शामिल अभियंताओं, मिडलमैन और ठेकेदारों की मुसिबतें और बढ़ने वाली हैं। वहीं EOW ने मीठी नदी सफाई परियोजना में हुए 65 करोड़ रुपये के घोटाले को लेकर एक और बड़ा खुलासा किया है। जांच में सामने आया है कि टेंडर देने से पहले और उसके बाद, BMC के अभियंताओं ने यह कभी जांचा ही नहीं कि वास्तव में मीठी नदी में कितनी गाद मौजूद थी और उसे हटाने में कितना समय लगेगा।

इन लोगों का आया नाम

EOW के सूत्रों के मुताबिक, 2019 से 2025 तक मीठी नदी में गाद की कोई अधिकृत माप ही नहीं की गई। यह जिम्मेदारी इटउ के अभियंताओं प्रशांत रामूगडे, गणेश बेंद्रे और तायशेट्टे की थी। लेकिन दावा है कि इन्होंने अपनी ड्यूटी निभाने के बजाय मिडलमैन केतन कदम और जय जोशी और ठेकेदारों के साथ मिलकर घोटाले को अंजाम दिया।फर्जी तस्वीरों और दस्तावेजों के सहारे, गाद ज्यादा निकाली, दिखाकर BMC से बड़ी रकम वसूली जाती रही। यह सिलसिला तब तक चला जब तक इटउ के दक्षता विभाग ने इस पर आपत्ति नहीं जताई। टेंडर शर्तों के अनुसार एक मीट्रिक टन गाद निकालने का रेट 1693 रुपये था, लेकिन हकीकत में 2100 रुपये तक का भुगतान किया गया। दक्षता विभाग के कहने पर बाद में दुबारा से पैसे कम किए गए।

जांच में यह भी सामने आया है कि ठेकेदारों को गाद निकालने वाली मशीनरी किराए पर देने से पहले, BMC अभियंता रामूगडे, बेंद्रे और तायशेट्टे ने मिडलमैन केतन कदम और जय जोशी के साथ बैठक की थी। इस बैठक में तय हुआ कि मशीनरी मैटप्रोप कंपनी से खरीदने का दिखावा किया जाएगा, लेकिन असल में उसे किराए पर दिया जाएगा और बदले में अभियंताओं को कमीशन मिलेगा।

मुंबई हवाई अड्डे पर करीब 1 करोड़ रुपये मूल्य का सोना और विदेशी मुद्रा जब्त!

मुंबई : मुंबई एयरपोर्ट कमिश्नरेट, जोन-III के अधिकारियों ने 20/21 मई, 2025 की रात्रि ड्यूटी के दौरान 0.247 किलोग्राम वजन का सोना जब्त किया, जिसकी कीमत 21.96 लाख रुपये है। ये जब्ती दो मामलों में की गई और एक मामले में 76.23 लाख रुपये के बराबर विदेशी मुद्रा बरामद की गई। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के तहत एक यात्री को भी गिरफ्तार किया गया। विज्ञप्ति के अनुसार, प्रोफाइलिंग के आधार पर, सीमा शुल्क अधिकारियों ने 21 मई, 2025 की सुबह बहरीन और दमन से आने वाले दो यात्रियों को रोका और उनके पास से 247 ग्राम वजन का 24 कैरेट सोने का बार बरामद किया, जिसकी कीमत 21.96 लाख रुपये है। उक्त सोना सामान ट्रॉली के विज्ञापन स्टिकर के नीचे छिपा हुआ था।

प्रोफाइलिंग के आधार पर कस्टम अधिकारियों ने उसी दिन मुंबई से बैंकॉक जा रहे एक यात्री को भी रोका और उसके पास से 90,000 अमेरिकी डॉलर की विदेशी मुद्रा बरामद की, जो भारतीय मुद्रा के 76.23 लाख रुपये के बराबर है। उक्त मुद्रा यात्री के हैंडबैग में छिपाई गई थी। इस मामले में एक यात्री को गिरफ्तार किया गया। इस बीच, एक बयान के अनुसार, छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा आयुक्तालय, जोन-III मुंबई के कस्टम अधिकारियों ने तस्करी के दो मामलों में 5.10 करोड़ रुपये मूल्य का कुल 5.75 किलोग्राम सोना जब्त किया। इन दोनों मामलों में सोने की तस्करी में शामिल दो लोगों को भी गिरफ्तार किया गया। बयान के अनुसार, पहले मामले में, लाउंज में काम करने वाले एक व्यक्ति को उस समय रोका गया जब वह प्रस्थान क्षेत्र से गुजर रहा था और उसके अंदरूनी कपड़ों से 2.48 करोड़ रुपये मूल्य के 2800 ग्राम (कुल वजन 2947 ग्राम) सोने की धूल से भरे 06 पाउच बरामद किए गए। यह थैले उसे किसी ट्रांजिट यात्री ने दिए थे। व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : गुरुवार 22 मई 2025

संपादकीय...

नौकरी के नए परिधान में...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

मल्टी टास्क वर्कर के परिधान में पशु मित्र इस बार पशुपालन विभाग के ग्रामीण संपर्क को सशक्त करेंगे। एक हजार पदों को मंजूर करके हिमाचल सरकार ने रिक्तियों के सागर में डुबकी लगाई है। सरकारी ढांचे में सरकार की व्यस्तता तथा अपने कद और पद के बीच संतुलन की रस्सी पर चुनौतियां भी अजीब हैं। हालांकि चचाओं के कई बिंदु हमेशा मंत्रिमंडल की बैठकों से कुछ पाना चाहते हैं, फिर भी छोटे से पहाड़ी राज्य की आर्थिकी के बीच समाधानों की वकालत महंगी है। कम से कम पढ़े-लिखे युवाओं के लिए सरकारी नौकरी का सर्कस काफी दुर्लभ सा नजारा है। मानव संसाधन के विकास में हिमाचल जहां खड़ा है, उसके ठीक विपरीत रोजगार के अवसर निरुत्तर और अपनी खामोशियों में सुन्न हैं। मानव संसाधन के किलों में महत्त्वाकांक्षा की चोरी हो रही है, फिर भी इस प्रदेश में नौकरी सियासत और इच्छाशक्ति का बहुरूपियापन है। यहां रोजगार घाट-घाट का पानी पीने के बजाय सरकारी अवसर के छबील पर नहाना चाहता है। इसलिए मल्टी टास्क वर्कर भी रोजगार का नया मुहावरा और विराम में एक बड़ी आशा बन जाता है। सरकारी नौकरी के वजूद में सरकारों की मेहनत बेरोजगारों के ख्वाबों से बड़ी है, यहां नींद के बादलों से लडकर सूरज उगाना पड़ता है। हिमाचल मंत्रिमंडल की हर बैठक में प्रदेश को देखने का हिसाब होता है, जिसमें या तो सरकारी नौकरी के कुछ नए प्रवेश द्वार खोले जाते हैं या कर्मचारी वर्ग की आशाओं पर मरहम पट्टी का इंतजाम होता है। विसंगतियों के कई दस्तूर सरकारी कर्मचारियों के कैडर का सरदर्द बने रहते हैं, नतीजतन हर सरकार कहीं पैरवी और कहीं पैबंद के मार्फत दिलासा देती रहती है कि हालात बदलेंगे, तेरी मुलाकात के बाद। बहरहाल मसला सरकारी कर्मचारी की रिटायरमेंट ऐज तक पहुंच गया है, जहां सरकारी खजाना अपनी ही पैरवी के संदेश लिए खड़ा है। वेतन और पेंशन के जटिल प्रश्न पुनः सरकार की जेब टटोल रहे हैं।

ऐसे में एक कदम आगे लेने के लिए कितना पीछे हटना पड़ेगा, यह हिसाब सरकार का कुशलक्षेम पूछता है। एक प्रगतिशील राज्य और कुशल राज्य के बीच अब अंतर कुशल वित्तीय प्रबंधन का है। आर्थिक मंदी के बाजार में सुक्खू सरकार अपने कौशल की खुद गवाह बनकर राज्य को पाल रही है, तो कर्मचारी वर्ग के डाकखाने में सरकारी चिट्ठियों का मोहरबंद होना लाजिमी है। फैसलों की अकड़ को सियासत की शूरवीरता से बचाना हुनर है, तो मौजूदा सरकार के संघर्ष को देखते हुए यह कहा जा सकता है, ह्यायहां सांस भारी होती है तेरे नगमे सुनकर, फिर भी बहुत दूर जाना तेरे ही साथ।ह्न यानी परिस्थितियां कुंडली मारकर हिमाचल के भविष्य से मुखातिब हैं। ऐसे में कठिन फैसलों में सरकार के अभिप्राय बदलेंगे।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 8657861004
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई सहित ठाणे और पालघर में आगामी तीन दिनों के लिए येलो अलर्ट...

मुंबई : महाराष्ट्र के कई जिलों समेत मुंबई महानगर में जमकर बारिश हुई। महज एक घंटे की बारिश में कई अंधेरी सबवे और दहिसर में पानी भर गया। मौसम विभाग ने महानगर में बुधवार और गुरुवार को भारी बारिश होने की बात कही है। मुंबई सहित ठाणे और पालघर में आगामी तीन दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। खराब मौसम के चलते मछुआरों के लिए भी अडवाइजरी जारी की गई है।

जोगेश्वरी में 63 एमएम, अंधेरी में 57 एमएम, जुहू में 24 एमएम, सांताक्रुज में 23 एमएम, विलेपार्ले में 21 एमएम, खार में 19 एमएम और दिंडोशी में 18 एमएम बारिश दर्ज की गई, वहीं पवई में 38 एमएम, भांडुप में 29 एमएम बारिश हुई।

मौसम विभाग ने कहा कि महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में 21 मई से 24 मई तक भारी बारिश हो सकती है। साथ ही, बिजली चमकने और तेज हवाएं चलने की भी आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार, अरब सागर में एक मौसम प्रणाली बन रही है। मुंबई के मौसम विभाग केंद्र ने बताया कि कर्नाटक के तट के पास, अरब सागर के मध्य-पूर्वी भाग में एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बनने की संभावना है।

22 मई के बाद रहें अलर्ट

अनुमान है कि 22 मई के आसपास एक कम दबाव का क्षेत्र बन सकता है। यह उत्तर की ओर बढ़ेगा और धीरे-धीरे और शक्तिशाली हो सकता है। मौसम विभाग की अधिकारी, शुभांगी भूटे ने कहा कि इस मौसम प्रणाली के कारण महाराष्ट्र में बारिश बढ़ने की उम्मीद है।

30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं

बारिश से दक्षिण कोंकण, दक्षिण मध्य महाराष्ट्र और मुंबई जैसे इलाके प्रभावित हो सकते हैं। कुछ जगहों पर भारी बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं। हवा की गति 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है, और कुछ अलग-अलग जगहों पर इससे भी ज्यादा तेज हवाएं चल सकती हैं। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

22 से 24 मई तक रहें सतर्क

मौसम विभाग ने मछुआरों के लिए चेतावनी जारी की है। अगले कुछ दिनों में अरब सागर में मौसम खराब रहने की आशंका है। 21 मई से महाराष्ट्र और गोवा के पास समुद्र में कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। यह 24 मई तक उत्तर की ओर बढ़ सकता है और मजबूत हो सकता है। उटड के अनुसार, इससे राज्य के तट को सीधा खतरा नहीं है। लेकिन 22 से 24 मई के बीच समुद्र में ऊंची लहरें उठ सकती हैं। खासकर रायगढ़, रत्नागिरी, मुंबई और पालघर के पास समुद्र ज्यादा खराब रहेगा।

पालघर कलेक्टर कार्यालय को उड़ाने की धमकी

पालघर : पालघर में कलेक्टर कार्यालय को मंगलवार तड़के बम की धमकी वाला एक ईमेल मिला, जिसके बाद पुलिस को परिसर खाली कराना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि सुबह करीब 6.23 बजे कलेक्ट्रेट के आधिकारिक आईडी पर एक ईमेल भेजा गया, जिसमें कहा गया कि परिसर में आरडीएक्स लगाया गया है और उसमें अपराह्न 3.30 बजे विस्फोट होगा। जिला पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटिल अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और तलाशी शुरू की। पाटिल ने बताया कि कलेक्ट्रेट में मेटल डिटेक्टर के साथ टीम तैनात की गई हैं और एहतियात के तौर पर क्यूआरटी दस्ते की मांग की गई है। आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने कहा कि पूर्वाह्न 11 बजे परिसर को खाली करा लिया गया और तलाशी ली गई।

भिवंडी : खाना पसंद नहीं आया तो पति ने पत्नी को पीटा...
ससुराल वालों पर भी केस दर्ज

भिवंडी : शहर के धामणकर नाका इलाके में एक महिला को केवल इस वजह से मारपीट का शिकार होना पड़ा, क्योंकि उसके द्वारा बनाया गया खाना पति को पसंद नहीं आया। इतना ही नहीं, पीड़िता ने आरोप लगाया है कि उसके साथ ससुराल पक्ष के अन्य लोगों ने भी दुर्व्यवहार किया। पुलिस ने पति समेत चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। यह घटना 19 मई को इंदु कंपाउंड, वारिस हॉस्पिटल के नजदीक एक बिल्डिंग के चौथे मंजिल में घटी। पीड़िता ने शिकायत में बताया कि उसका पति वसीउल्लाह शेख अक्सर छोटी - छोटी बातों पर झगड़ा करता है। घटना के दिन वह भोजन बना रही थी, तभी पति ने खाने की गुणवत्ता पर नाराजगी जताई और मारपीट शुरू कर दी। उसने पत्नी से कहा, तू कितनी मोटी हो गई है, तुझसे खाना बनाना नहीं आता, तू कुछ काम सही से नहीं करती है। महिला ने आरोप लगाया कि उसके ससुर करीमुल्लाह शेख, शगुफ्ता करीमुल्लाह शेख और सास फातिमा शेख ने भी मानसिक और शारीरिक रूप से उसे प्रताड़ित किया। पीड़िता की शिकायत पर भिवंडी पुलिस ने चारों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 85 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

ठाणे में 25 लाख की हरियाणा ब्रांड की शराब जब्त !

ठाणे : ठाणे में उत्पादन शुल्क विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हरियाणा से लाई जा रही अवैध विदेशी शराब की खेप को जब्त किया है। यह शराब महाराष्ट्र में बेचने के लिए अवैध रूप से लाई जा रही थी। विभाग की टीम ने कल्याण बायपास पर जाल बिछाकर एक टेम्पो को रोका, जिसमें खास तौर पर बने गुप्त कप्पे में शराब की 53 बॉक्स छुपाई गई थी। जब्त की गई शराब की कीमत लगभग 25 लाख 63 हजार 980 रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान विजय बजाज (36) और रवि विश्वकर्मा (36) के रूप में हुई है। इस पूरे रैकेट का मुख्य सरगना अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। उत्पादन शुल्क विभाग को पहले से सूचना मिली थी कि हरियाणा में बनी शराब मुंबई-नासिक हाईवे के रास्ते ठाणे लाई जा रही है। इसी आधार पर निरीक्षक दिगंबर शेवाळे के नेतृत्व में एक टीम ने छापेमारी की। आरोपियों के खिलाफ महाराष्ट्र दारूबंदी कानून 1949 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। विभाग की यह कार्रवाई अवैध शराब कारोबारियों के लिए एक सख्त चेतावनी मानी जा रही है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया छगन भुजबल को ओबीसी की आवाज...

कांग्रेस बोली- 'वॉशिंग मशीन में धुलकर अब...'

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र की सियासत एक बार फिर गरमा गई है. एनसीपी नेता छगन भुजबल को राज्य मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने के फैसले पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उन्हें 'ओबीसी की आवाज' बताते हुए बचाव किया, तो विपक्ष ने इसे भ्रष्टाचार पर बीजेपी की दोहरी नीति का उदाहरण बताया. दरअसल, मंगलवार (20 मई) को भुजबल ने राजभवन में उपमुख्यमंत्री अजित पवार, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में मंत्री पद की शपथ ली. इसके तुरंत बाद विपक्षी नेताओं और सामाजिक कार्यकताओं की तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आने लगीं.

छगन भुजबल डइउ समुदाय की आवाज उठाते रहे हैं- फडणवीस

फडणवीस ने कहा कि भुजबल एक वरिष्ठ और अनुभवी नेता हैं, जो OBC समुदाय की मजबूती से आवाज उठाते रहे हैं. उन्होंने कहा कि NCP ने उन्हें नामित किया है और NCP इस फैसले का स्वागत करती है. वहीं, अंजलि दमानिया जैसे सामाजिक कार्यकताओं ने सरकार पर भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ सिर्फ 'प्रतीकात्मक विरोध' करने का आरोप लगाया. फडणवीस ने इस पर कहा कि लोगों की राय अलग-अलग हो सकती है, लेकिन भुजबल का

योगदान और अनुभव महत्वपूर्ण है.

भुजबल को येवला से मिला है भारी बहुमत- आनंद परांजपे

अजित पवार के नेतृत्व वाली NCP ने भुजबल को 'क्लीन चिट' मिलने का हवाला देते हुए उनका बचाव किया. NCP प्रवक्ता आनंद परांजपे ने कहा कि भुजबल को उनके निर्वाचन क्षेत्र येवला से भारी बहुमत मिला है और वे लंबे समय से ओबीसी समुदाय के हक की लड़ाई लड़ते आए हैं. हालांकि, उनके नासिक जिले से आने के कारण अब यह सवाल भी उठ रहा है कि उत्तर महाराष्ट्र के प्रभारी मंत्री की जिम्मेदारी किसे दी जाएगी, क्योंकि इखढ और शिवसेना (शिंदे गुट) के बीच इसको लेकर पहले से मतभेद चल रहे हैं.

भुजबल इखढ की वॉशिंग मशीन में धुलकर निर्दोष हो गए- कांग्रेस

विपक्ष ने इस घटनाक्रम को लेकर NCP पर तीखा हमला बोला है. कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कटाक्ष करते हुए कहा, ''भुजबल NCP की वॉशिंग मशीन में धुलकर अब निर्दोष हो गए हैं.ह्व उन्होंने याद दिलाया कि एऊकी जांच में फंसे भुजबल को कभी जेल भी जाना पड़ा था, लेकिन अब सत्ता की राजनीति में सब कुछ माफ है. एनसीपी (शरद पवार गुट) के प्रवक्ता क्लाइड क्रैस्टो ने भी NCP पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि पहले जिन्हें भ्रष्ट कहा गया, अब उन्हें ही मंत्री बनाया जा रहा है. उनके अनुसार, NCP का नया मंत्र बन गया है 'पहले भ्रष्ट कहो, फिर साथ लाओ, फिर धो डालो और फिर सत्ता में जिताओ.'

मुंबई : पवई तालाब में जलकुंभी हटाने के लिए और मशीनों का होगा उपयोग

छह महीने में 25,000 मीट्रिक टन जलकुंभी हटाई गई

मुंबई : पवई तालाब में पर्यावरण और जैव विविधता के संरक्षण के लिए मनपा की ओर से स्थायी उपाय योजनाएं लागू की जा रही है। पिछले छह महीने में 25,000 मीट्रिक टन जलपर्णी हटाई गई है। मनपा प्रशासन ने पवई तालाब से तेजी से जलपर्णी हटाने के लिए तत्काल 5 मशीनों और अधिक मानवीय संसाधनों का उपयोग किया जाए इस तरह का निर्देश मनपा अतिरिक्त आयुक्त अभिजीत बांगर ने दिया। पवई तालाब का पानी खारा होने के कारण पीने योग्य नहीं है। इस झील के पानी का उपयोग आरे कॉलोनी और आसपास की कंपनियों में व्यावसायिक

उद्देश्यों के लिए किया जाता है। पवई तालाब की स्वच्छता को लेकर मंगलवार को अतिरिक्त आयुक्त अभिजीत बांगर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। पवई तालाब क्षेत्र में बढ़ते शहरीकरण और तालाब में गिरने वाले गंदे पानी के कारण जलपर्णी और अन्य अनावश्यक वनस्पतियों की वृद्धि हो रही है। इससे तालाब की जल गुणवत्ता और जैव विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। सूरज की किरणें जल की सतह तक नहीं पहुंचने से जनजीवन प्रभावित होता है और खाद्य श्रृंखला में बाधा उत्पन्न होती है। तालाब की सफाई के लिए पिछले छह महीनों में लगभग 25,000 मीट्रिक टन जलपर्णी हटाई गई है, लेकिन जलपर्णी की वृद्धि दर इससे कहीं अधिक है। इसलिए जब तक मलजल को तालाब से बाहर नहीं मोड़ा जाता तब तक जलपर्णी को हटाने की गति बढ़ाना आवश्यक है। वर्तमान में जलपर्णी हटाने के लिए दो मशीनें कार्यरत हैं।

मुंबई : एक्शन मोड में बीएमसी, वीडियो विज्ञापन बैन और होर्डिंग का साइज भी फिक्स

मुंबई : घाटकोपर में पिछले साल साल अवैध होर्डिंग गिरने से 17 लोगों की मौत हो गई थी। जिसके बाद बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने अब पूरे शहर में अधिकृत होर्डिंग्स पर अपनी निगरानी कड़ी कर दी है। खासकर मानसून से पहले सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ताकि दोबारा ऐसा हादसा न हो। बीएमसी ने नई नीति के तहत कार्रवाई शुरू की है, जिसके लिए कुछ नियम बनाए गए हैं। होर्डिंग के आकार से लेकर बीमा तक की नीति बनाई गई है। बीएमसी ने सितंबर 2024 से अब तक शहरभर से 1,963 अवैध विज्ञापन, पोस्टर, बैनर और झंडे हटाए, जिनमें 576

राजनीतिक और 473 धार्मिक होर्डिंग्स शामिल हैं. अकेले आजाद मैदान क्षेत्र से 750 से अधिक हटाए गए है. मुंबई में फिलहाल 1,025 वैध होर्डिंग्स हैं, इनमें 573 बिना लाइट, 382 लाइट वाले और 70 डिजिटल छएऊ होर्डिंग्स हैं, जिनसे इटउ को हर साल करीब 100 करोड़ का राजस्व प्राप्त होता है।

पुलिस हवलदार से मारपीट कर वर्दी को पहुंचाया नुकसान

तीन युवकों पर केस दर्ज...

भिवंडी : नारपोली थाना क्षेत्र में एक पुलिस हवलदार के साथ मारपीट उसके वर्दी को नुकसान पहुंचाने का मामला सामने आया है। यह घटना साईनाथ होटल के पास, राम पाटील फिश पॉइंट, रहनाळ गांव में घटी। जब पुलिस हवलदार अपने कर्तव्य पर हाजिर था। पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक पुलिस हवलदार काशीनाथ ईश्वर राठोड और उनका साथी वार्डन अपने कर्तव्य पर हाजिर थे। इस दरमियान मुशरफ जुबेर अन्सारी, साहिल मोहम्मद कमर बिस्ती और जैद जुबेर अन्सारी, सभी निवासी गोवंडी, मुंबई ने राठोड से बातचीत

के दौरान विवाद किया। आरोपियों ने सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए उनके साथ गाली-गलौज और धक्कामुक्की की। इसके बाद सरकारी पहचान पत्र छीनने का प्रयास करते हुए उनके वर्दी को नुकसान पहुंचाया। नारपोली पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 132,352,115 (2), 3 (5) के तहत मामला दर्ज किया है।

मुंबई : प्रजा फाउंडेशन का दावा, मुंबईकरों को सुविधा देने में मनपा हो रही फेल

2015 की तुलना में 2024 में बढ़ीं शिकायतें...

मुंबई : मनपा प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सेवा सुविधा में गिरावट होने का आरोप प्रजा फाउंडेशन ने लगाया है। फाउंडेशन के अनुसार वर्ष 2024 में मुंबईकरों ने मनपा को अपने विभिन्न कार्यों को लेकर 1,15,396 शिकायतें दर्ज कराई, जबकि 2015 में यह संख्या 67,773 थी। इस तरह 2015 की तुलना में 2024 में शिकायतों की संख्या में 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रजा फाउंडेशन ने आरोप लगाया है कि मुंबई महानगरपालिका द्वारा कचरा प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण, जल आपूर्ति और मल-निस्सारण जैसे बुनियादी सेवाओं के लिए हर साल हजारों करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं इसके बावजूद नागरिक समस्याएं लगातार बनी हुई हैं। प्रजा फाउंडेशन ने जानकारी दी है कि प्रदूषण संबंधी शिकायतों में 334 प्रतिशत, अवैध संपत्तियों को लेकर 747 प्रतिशत, कचरा प्रबंधन से जुड़ी शिकायतों में 380 प्रतिशत और जल आपूर्ति से संबंधित शिकायतों में 88 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अलावा नागरिकों ने स्कूल, मल-निस्सारण, उद्यान, सड़क,

वायु प्रदूषण, गंदा पानी, टॉयलेट की खराब स्थिति, भवन निर्माण, कीट नियंत्रण और लाइसेंस से संबंधित समस्याओं पर भी शिकायत दर्ज कराई। मल-निःसरण से संबंधित 2015 में जहां 9,904 शिकायत थी, वहीं 2024 में यह संख्या बढ़कर 15,701 हो गई, जो लगभग 59 प्रतिशत की वृद्धि है।

सड़क संबंधी शिकायतों में गिरावट आई

सड़क संबंधी शिकायतों में गिरावट आई है, 2015 में शिकायत का प्रमाण 13,539 था जो 2024 में घटकर 9,800 रह गई। स्कूलों की खराब स्थिति पर 30 प्रतिशत अधिक शिकायतें आई हैं। प्रजा फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मिलिंद म्हास्के के अनुसार शहर में कचरा प्रबंधन की व्यवस्था बिखरती जा रही है। 2015 से अब तक इस विषय में शिकायतों में 380 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मुंबई में आज भी कचरे की निपटान प्रक्रिया सिर्फ देवनार और कांजूरमार्ग के दो डम्पिंग ग्राउंड तक ही सीमित है। हाल ही में बॉम्बे हाईकोर्ट ने कांजूरमार्ग का उपयोग वैकल्पिक डम्पिंग ग्राउंड खोजने का आदेश दिया है।

महाराष्ट्र : यवतमाल में प्रिंसिपल पत्नी ने पति को जूस में जहर देकर मार डाला...

फिर 3 छात्रों की मदद से जलाया, अंडरवियर से खुला राज

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के यवतमाल के चौसाला जंगल में 15 मई को एक अधजला शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई थी. अब इस सनसनीखेज हत्या का रहस्य पुलिस ने सुलझा लिया है. जांच में जो तथ्य सामने आए हैं, वो काफी चौंकाने वाले हैं. दरअसल, मृतक की पत्नी, जो खुद एक स्कूल की प्रिंसिपल है, उसने अपने ही पति को जहर देकर मार डाला. इसके बाद उसने 3 नाबालिग छात्रों की मदद से शव को जंगल में जला कर फेंक दिया.

कैसे की गई शव की पहचान?

पुलिस जांच में मृतक की पहचान शंतनू अरविंद देशमुख (32) के रूप में हुई, जो यवतमाल के सुयोगनगर निवासी थे और सनराइज इंग्लिश मीडियम स्कूल में शिक्षक थे. उनकी पत्नी निधि देशमुख (23) उसी स्कूल की प्रिंसिपल थीं. दोनों ने प्रेम विवाह किया था और वे माता-पिता से अलग रह रहे थे.

13 मई की शाम से शंतनू लापता थे. जब चौसाला जंगल में शव मिलने की खबर फैली, तो दोस्तों में हलचल मच गई. पुलिस ने एक दोस्त के मोबाइल में 13 मई की एक तस्वीर पाई, जिसमें शंतनू वही शर्ट पहने हुए नजर आए, जिसके अधजले टुकड़े शव के पास मिले थे. शर्ट के बटन और बाजू के हिस्से से पुलिस को बड़ी लीड मिली.

पत्नी ने पहले गुमराह किया, फिर कबूल की सच्चाई

शुरूआत में निधि ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन उसके घर से बरामद की गई अंडरवियर और शव पर मिली अंडरवियर एक ही ब्रांड की पाई गई. जब पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की, तो निधि टूट गई और हत्या की साजिश स्वीकार कर ली. उसने बताया कि शंतनू शराब का आदी था, जिससे परेशान होकर उसने गूगल पर जहरीले पदार्थों की जानकारी जुटाई और जहर मिला हुआ जूस बनाकर शंतनू को नशे की हालत में पिला दिया, जिससे उसकी मौत हो गई.

तीन छात्रों की मदद से जलाया शव

हत्या के बाद निधि ने अपने ही स्कूल के तीन नाबालिग छात्रों की मदद से शव को रात के समय जंगल में ले जाकर जलाया.

पुलिस ने इन तीनों छात्रों को हिरासत में ले लिया है. शव अधजला होने के कारण पहचान करना मुश्किल था, लेकिन यवतमाल और आसपास के जिलों की लापता व्यक्तियों की सूची खंगालने पर पुलिस को शंतनू देशमुख के गायब होने की सूचना मिली. 18 मई को शव के पास से मिली शर्ट और बटन के आधार पर दोस्तों ने उसकी पहचान की.

महाराष्ट्र में बारिश से कहीं घरों में घुसा पानी तो कही पेड़ गिरने से बड़ी दुर्घटना, क्या है मौसम विभाग का अपडेट?

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में भारी बारिश से कई जगहों पर अस्त व्यस्त स्थिति देखने मिली है. महाराष्ट्र के कोंकण, पुणे, पालघर में और मुंबई के अंधेरी, जोगेश्वरी, गोरेगांव समेत कई इलाकों में शाम को बहुत तेज बारिश हुई. मौसम विभाग ने पूरे राज्य में 21 से 24 मई तक भारी बारिश और तूफान की चेतावनी जारी की है. राज्यभर में तेज हवाओं के साथ आई तेज बारिश से कई जगह पेड़ गिर गए और ट्रैफिक जाम की बड़ी स्थिति देखने मिल रही थी. मुंबई में बारिश के चलते अंधेरी सबवे पानी से भर गया. उधर, महाराष्ट्र के कई अन्य जिलों में भी प्री-मानसून बारिश हो रही है.

कोंकण रेलवे लाइन पर भूस्खलन

कोंकण रेलवे लाइन पर वेरावली और विलावडे स्टेशनों के बीच भूस्खलन हुआ है. इससे कोंकण रेलवे पर ट्रैफिक प्रभावित हुआ. पुणे के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश के कारण पानी भर गया. पुणे के स्वारगेट, कोथरुड, कर्वेनगर, शिवाजीनगर और कटराज में भारी बारिश जारी है. तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर बिजली सप्लाई बाधित हो गई है. पुणे में 15 पेड़ गिर गए हैं.

बारिश के कारण सतारा-कास रोड पर एक मोबाइल टावर गिर गया. इसके अलावा, एक मोबाइल टावर के गिर जाने से चार-पांच साइकिलें क्षतिग्रस्त हो गई. कास पठार घूमने गए पर्यटक यवतेश्वर घाट पर फंस गए जिन्हें ठऊफ्र की मदद से बाहर निकाला गया . भारी बारिश के कारण पुणे-सतारा मार्ग पर जलभराव हो गया है. जालना के बदनापुर तालुका के मांडवा गांव में तेज हवाओं के कारण एक शादी का मंडप उड़ गया. तुपेवाड़ी गांव में एक धार्मिक आयोजन मंडप ढह गया. इन घटनाओं में कोई हताहत नहीं हुआ.

सोलापुर और सांगली जिलों में भी बारिश हुई.

मौसम विभाग की चेतावनी

मुंबई की मौसम विभाग टीम की वरिष्ठ अधिकारी शुभांगी भूटे ने कहा कि महाराष्ट्र में बारिश बढ़ने की उम्मीद है. ऐसा इसलिए है क्योंकि एक मौसम प्रणाली विकसित हो रही है. बारिश से दक्षिण कोंकण, दक्षिण मध्य महाराष्ट्र और मुंबई सहित कई क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं. कुछ स्थानों पर गरज के साथ भारी बारिश की संभावना है. 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं और कुछ अलग-अलग स्थानों पर इससे भी तेज हवाएं चल सकती हैं. 21 मई से 24 मई तक महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में भारी बारिश, गरज और तेज हवाएं चल सकती हैं. पूर्व-मध्य अरब सागर के ऊपर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बनने की संभावना है. 22 मई के आसपास एक कम दबाव का क्षेत्र बनने की उम्मीद है, जो उत्तर की ओर बढ़ सकता है और मजबूत हो सकता है.

सीजेआई बीआर गवई का प्रोटोकॉल टूटने पर सरकार ने लिया बड़ा फैसला,

दिशा-निर्देश भी किए जारी...

मुंबई: महाराष्ट्र में देश के चीफ जस्टिस बीआर गवई का प्रोटोकॉल टूटने पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई वाली सरकार हरकत में आई है। चीफ जस्टिस के स्वागत और उनके कार्यक्रम में चीफ सेक्रेटरी, डीजीपी और मुंबई कमिश्नर के गैरहाजिर रहने के बाद सरकार ने प्रोटोकॉल से जुड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (उखक) को अब आधिकारिक तौर पर महाराष्ट्र में स्थायी स्टेट गेस्ट घोषित किया गया है। गौरतलब हो कि सीजेआई का प्रोटोकॉल टूटने पर विपक्ष ने सीएम फडणवीस की अगुवाई वाली सरकार को निशाने पर लिया था। गवई ने 14 मई को कार्यभार ग्रहण किया था। उनका कार्यकाल छह महीने के लिए है। गवई महाराष्ट्र के ही रहने वाले हैं।

सीजेआई ने जताई थी नाराजगी

मुख्य न्यायाधीश (उखक) न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई (इफ ऋं) महाराष्ट्र और गोवा बार काउंसिल की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय वकील सम्मेलन के कार्यक्रम में मुंबई पहुंचे थे। मुख्य न्यायाधीश का चार्ज लेने के बाद वह पहली बार महाराष्ट्र पहुंचे थे। इस दौरान सीजेआई ने राज्य के शीर्ष अधिकारियों की अनुपस्थिति को लेकर महाराष्ट्र के प्रोटोकॉल पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था कि जब भारत के मुख्य न्यायाधीश पहली बार राज्य की यात्रा पर आते हैं और राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक व मुंबई पुलिस आयुक्त उपस्थित नहीं होते तो यह केवल प्रोटोकॉल का नहीं, बल्कि संवैधानिक संस्थाओं के आपसी सम्मान का विषय है। महाराष्ट्र सरकार ने अब चीफ जस्टिस को स्टेट गेस्ट घोषित कर दिया है। इसके बाद अब मुख्य न्यायाधीश को आधिकारिक यात्राओं के दौरान राज्य भर में आवास, परिवहन और सुरक्षा सहित राज्य अतिथि नियमों के तहत सभी सुविधाओं मिलेंगी।

हम कहते हैं कि लोकतंत्र के तीन स्तंभ हैं, न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका, और वे समान हैं। संविधान के प्रत्येक अंग को पारस्परिक रूप से व्यवहार करना चाहिए और अन्य अंगों को उचित सम्मान देना चाहिए। महाराष्ट्र से कोई व्यक्ति पहली बार भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में राज्य में आ रहा है। अगर महाराष्ट्र के मुख्य सचिव, राज्य के पुलिस महानिदेशक या मुंबई के पुलिस आयुक्त को आना जरूरी नहीं लगता है, तो उन्हें इस बारे में सोचना चाहिए।

बी आर गवई, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया

क्या है महाराष्ट्र में प्रोटोकॉल?

महाराष्ट्र राज्य अतिथि नियम, 2004 के अनुसार, जिन गणमान्य व्यक्तियों को राज्य अतिथि घोषित किया जाता है या माना जाता है, वे औपचारिक स्वागत और विदाई व्यवस्था के हकदार होते हैं। इन प्रोटोकॉल का प्रबंधन हवाई अड्डों पर राज्य प्रोटोकॉल उपविभाग द्वारा तथा जिला स्तर पर जिला कलेक्टर कार्यालय द्वारा नामित प्रोटोकॉल अधिकारियों के माध्यम से किया जाता है। मुंबई में मुख्य सचिव या कोई वरिष्ठ प्रतिनिधि, पुलिस महानिदेशक या उनके वरिष्ठ प्रतिनिधि के साथ मुख्य न्यायाधीश की अगवानी करेंगे। अन्य जिलों में जिला कलेक्टर और पुलिस आयुक्त या अधीक्षक या उनके प्रतिनिधि अगवानी करेंगे।

महाराष्ट्र : डिजिटल अरेस्ट के नाम पर ठगी...

साइबर ठग महाराष्ट्र से हुआ गिरफ्तार

महाराष्ट्र : राजस्थान के करौली साइबर थाना पुलिस ने साइबर अपराध के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए डिजिटल अरेस्ट के नाम पर ठगी करने वाले एक आरोपी को महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है. आरोपी ने खुद को सरकारी अधिकारी बताकर एक चिकित्सक को डराया और लगभग 5 लाख रुपये की ठगी की. आरोपी के तीन खातों पर साइबर ठगी की तीन शिकायत दर्ज है. साइबर थाना प्रभारी हरी लाल ने बताया कि एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन में साइबर अपराधियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है. इसी अभियान के तहत पुलिस ने आरोपी सचिन कुमार पुत्र शिवराम उम्र 29 वर्ष, निवासी अंजुरफाटा, भिवंडी, जिला थाणे महाराष्ट्र को गिरफ्तार किया है. आरोपी ने डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर पीड़ित से आरटीजीएस के माध्यम से कुल 4,99,274 रुपये की ठगी की. यह इस प्रकरण में पांचवीं गिरफ्तारी है. पूर्व में गिरफ्तार चारों आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं.

डेंगू संक्रमण से बढ़ सकता है

इंसेफेलाइटिस और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा

डेंगू वायरस बड़ा घातक है, इसके संक्रमण से इंसान को ब्रेन स्ट्रोक या पैरालिसिस और इंसेफेलाइटिस हो सकते हैं। इंसेफेलाइटिस से ब्रेन के न्यूरॉन क्षतिग्रस्त हो सकते हैं, जिससे किसी भी तरह की अपंगता आ सकती है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में हुई एक रिसर्च में इसका खुलासा हुआ है। वर्ष 2018 से वर्ष 2020 के बीच 260 मरीजों पर हुए रिसर्च को एनल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ जर्नल में प्रकाशित किया गया है, इसके साथ ही रिसर्च को अन्तरराष्ट्रीय मान्यता मिली है और दावा किया गया है कि विश्व का यह पहला रिसर्च है कि जिसमें डेंगू संक्रमण से ब्रेन पर पड़ने वाले असर को देखा गया है।

पैरालिसिस-इंसेफेलाइटिस पर फोकस

डेंगू वायरस से होने वाली जटिलताओं पर रिसर्च किया गया है। इसके नतीजे बिल्कुल नए हैं अभी तक यही समझा जा रहा था कि डेंगू के संक्रमण से किसी भी तरह की जटिलता आ सकती है। मगर रिसर्च मानकों पर नहीं थे। इस रिसर्च में पैरालिसिस और इंसेफेलाइटिस को फोकस किया गया है।

अतिरिक्त प्लेटलेट की जरूरत नहीं पड़ी

डॉ. विशाल गुप्ता का कहना है कि रिसर्च में शामिल हैमरेजिक डेंगू के अधिकतर मामलों में प्लेटलेट नहीं चढ़ाने की जरूरत पड़ी। 10 हजार तक प्लेटलेट को दवाओं को से मैनेज किया गया है। यह जरूर है कि पैरालिसिस या किसी अन्य अंगों पर असर पड़ने से उसे दूसरी बीमारियों के इलाज की दवा देनी पड़ी।

सामान्य डेंगू केस में सबसे अधिक जटिलता

शोधकर्ता जीएसवीएम के डॉ. विशाल गुप्ता का कहना है कि रिसर्च में मरीजों की तीनों कैटेगरी यानी सामान्य डेंगू, हैमरेजिक डेंगू और शॉक सिंड्रोम तीनों तक केस लिए गए हैं। इनमें सबसे अधिक प्रभाव सामान्य डेंगू और शॉक सिंड्रोम वाले मरीजों में देखे गए हैं। इनमें पैरालिसिस और इंसेफेलाइटिस के केस बढ़े मिले।

क्या है डेंगू बुखार

डेंगू में 104 फारेनहाइट डिग्री का बुखार होता है। डेंगू बुखार, आमतौर पर हड्डी तोड़ बुखार के रूप में भी जाना जाता है। यह वायरस वाला एडीज मच्छर से फैलता। यह रोग मुख्य रूप से दुनिया के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाया जाता है।

इस तरह की पहली रिसर्च

इसे इस तरह की पहली रिसर्च होने का दावा किया गया है। रिसर्च पत्रिका अफ्रीका हेल्थ रिसर्च आरगेनाइजेशन की ओर से निकाली जा रही है। मुख्यालय स्कॉटलैंड में है। ट्रापिकल देशों में संक्रामक रोगों, महामारी रोगों के इलाज, इम्यून सिस्टम से जुड़ी बीमारियों पर होने वाले टॉप-रैंक ट्रापिकल रिसर्च को मान्यता मिलती है।

जानलेवा हो सकती है अधिक गुस्से की स्थिति

...बढ़ जाता है गंभीर बीमारियों का खतरा

किसी चीज को लेकर नापसंदी या नाराजगी के जवाब में गुस्सा आना स्वाभाविक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस तरह की भावनात्मक अभिव्यक्ति को सामान्य भी मानते हैं, पर क्या आपको अक्सर बात-बात पर गुस्सा आता है? इस तरह का गुस्सा जिसमें आप अपना आपा खो देते हैं या खुद पर नियंत्रण नहीं रख पाते? ऐसी स्थिति को सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक बात-बात पर या बहुत ज्यादा गुस्सा आने की समस्या कई ऐसे जोखिमों का कारण बन सकती है जिसे जानलेवा माना जाता है। यही कारण है कि ऐसे लोगों को समस्या का समय पर निदान कर इसे नियंत्रित करने के उपाय करने की सलाह दी जाती है। अध्ययनों से पता चलता है कि गुस्सा आने की स्थिति में शरीर और मस्तिष्क में कुछ ऐसे बदलाव होते हैं जो हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी समस्याओं का कारण बन सकते हैं। इन स्थितियों को जानलेवा माना जाता है।

स्ट्रोक की समस्या

यूरोपियन हार्ट जर्नल में प्रकाशित शोध में वैज्ञानिकों ने स्ट्रोक के लिए गुस्से को मुख्य कारणों के रूप में व्यक्त किया है। स्ट्रोक पीड़ितों पर किए गए एक वैश्विक अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि हर 11 में से एक स्ट्रोक पीड़ित रोगी में गुस्से की समस्या का निदान किया गया। गुस्से की समस्या पर ध्यान देना भी आवश्यक है।

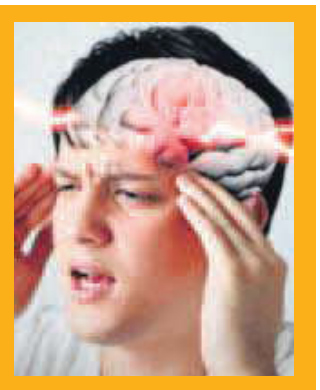

हार्ट अटैक का जोखिम

गुस्से के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं पर किए गए एक अन्य अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि क्रोधित होने के तुरंत बाद दो घंटों में, व्यक्ति में दिल का दौरा पड़ने का जोखिम लगभग पांच गुना और स्ट्रोक का जोखिम तीन गुना बढ़ जाता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

प्रोफेसर स्मिथ कहते हैं कि हमारे अध्ययन में पाया गया कि अक्सर क्रोध और भावनात्मक समस्याओं से परेशान रहने वाले लोगों में स्ट्रोक के जोखिम में लगभग 30 प्रतिशत अधिक हो सकता है। इसके अलावा बहुत अधिक शारीरिक परिश्रम करने वाले लोगों में स्ट्रोक का खतरा 60 प्रतिशत तक ज्यादा हो सकता है।

नरेश मीणा की जमानत पर सस्पेंस बरकरार, कोर्ट में पेशी के बाद बोले- 'भ्रष्ट सिस्टम है जहां जाति देखकर...'

टोंक

राजस्थान विधानसभा उपचुनाव के दौरान एसडीएम अमित चौधरी को थप्पड़ मारने वाले निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा पिछले 6 महीने से जेल में बंद हैं. उन्हें अब तक जमानत नहीं मिल पाई है. मंगलवार सुबह पुलिस की कड़ी सुरक्षा में नरेश मीणा को टोंक कोर्ट लाया गया, जहां उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई हुई. हालांकि जमानत पर कोई फैसला नहीं हो सका और कोर्ट ने अगली तारीख दे दी.

सब जगह भ्रष्ट सिस्टम है...

पेशी के बाद कोर्ट परिसर में मीडिया से बात करते हुए नरेश मीणा ने प्रशासन और न्यायपालिका पर गंभीर आरोप लगाए. उन्होंने कहा, 'सब जगह भ्रष्ट सिस्टम है. पिछले 6 महीने से जेल में सजा काट रहा हूं. मुकदमा 323/32 का बनता है, लेकिन भ्रष्ट सिस्टम की वजह से कुछ ही चल रहा है. न्याय की देवी की आंखों से पट्टी इसीलिए हटाई गई ताकि जात और धर्म देकर न्याय दिया जा सके.' इतना कहने के बाद पुलिसकर्मी ने नरेश मीणा को पुलिस बस में बैठा दिया और फौरन वहां से रवाना हो गए.

थप्पड़ कांड केस में चार्ज बहस पूरी

बताते चलें कि थप्पड़ कांड मामले की मुकद्दमा संख्या 166/24 में चार्ज बहस पहले ही पूरी हो चुकी है. आज उस मामले में जमानत पर फैसला आने की संभावना थी. साथ ही, मुकदमा संख्या 167/24 में आज चार्ज बहस होनी थी. लेकिन नरेश मीणा को कोर्ट से राहत नहीं मिल सकी.

जयपुर में आंदोलन की चेतावनी

14 नवंबर से जेल में बंद नरेश मीणा की जमानत के लिए उनके समर्थकों ने जयपुर जाकर आंदोलन करने का ऐलान किया था. हालांकि आंदोलन शुरू होने से पहले ही सीएम भजनलाल शर्मा ने नरेश मीणा के पिता से मुलाकात करके इसे वापस करवा दिया था. इसके बदले में सीएम ने नरेश मीणा को जेल से निकलने के लिए हर संभव मदद का वादा किया था. पिछली पेशी के बाद नरेश मीणा ने आरोप लगाया था कि सीएम अपना वादा भूल गए हैं. अब धैर्य जवाब दे रहा है. अगर जल्द उनकी जमानत नहीं होती है तो आंदोलन शुरू किया जा सकता है. नरेश मीणा के वकील फतेह सिंह मीणा ने बताया- राजस्थान हाईकोर्ट, जयपुर में 21 और 23 मई को जमानत याचिका पर सुनवाई होगी। हाईकोर्ट के न्यायाधीश से अपील की जाएगी कि यह मामला सामान्य मारपीट का है। पुलिस ने बेवजह मामले को गंभीर धाराओं में दर्ज किया।

सीकर के जवान की अरुणाचल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

सीकर

सीकर के जवान की अरुणाचल प्रदेश में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। भारतीय सेना की 24 जाट रेजिमेंट में तैनात जवान राजबीर सिंह (30) का मंगलवार को अंतिम संस्कार किया गया। 5 साल के बेटे ने उन्हें मुखाग्नि दी। इससे पहले तिरंगा यात्रा के साथ उनकी पार्थिव देह को घर तक लाया गया था। लोगों और घरवालों ने जवान को शहीद का दर्जा देने और स्मारक बनाने की मांग की है। खंडेला क्षेत्र के बरसिंहपुरा गांव निवासी राजबीर वर्तमान में अरुणाचल प्रदेश के अहिरगढ़ में कार्यरत थे। 12 मई को ड्यूटी पर रवाना होने के बाद शनिवार रात कैंप में उनकी संदिग्ध परिस्थितियों मौत हो गई थी। जवान के परिवार में पत्नी मंजू देवी,बेटी निखिलेश (8), बेटा दक्ष (5) और सेना से रिटायर पिता जगदीश कालीरावना है।

सैनिकों को उचित सम्मान और सहायता मिलनी चाहिए

लोगों ने गुस्सा जताते हुए कहा कि 11 साल की सेवा के बावजूद राजबीर को शहीद का दर्जा नहीं मिला, जो सैनिकों के सम्मान के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि दो दिन तक शव साधारण एंबुलेंस में रहा, लेकिन किसी उच्चाधिकारी ने सुध नहीं ली, जो सैनिक का अपमान है। लोगों ने कहा कि देश के लिए जान देने वाले सैनिकों को उचित सम्मान और सहायता मिलनी चाहिए। खंडेला विधायक सुभाष मील ने कहा- हमारे क्षेत्र का अगर कोई भी जवान देश के लिए सेवा करते हुए शहीद हो जाता है तो उसका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ होना चाहिए। परिवार के लोगों ने मांग की है कि शहीद का दर्जा मिलना चाहिए और खंडेला में स्मारक बनाया जाए। जिस पर परिवार को जल्द स्मारक बनाने का आश्वासन दिया है। इसके साथ ही सेना की तरफ से जो भी सहायता मिलती है वह दिलाई जाएगी।

सीकर में गर्मी से पहली मौत, सड़क पर पड़ा मिला युवक का शव

सीकर

सीकर में सिंगरावट से मोरडुंगा जाने वाले मार्ग पर सड़क किनारे एक अधेड़ व्यक्ति का शव पड़ा मिला, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त पूर्णपुरा निवासी नेमाराम जांगिड़ (47 वर्ष) के रूप में की। धोद थानाधिकारी राकेश कुमार मीणा ने बताया कि मृतक नेमाराम मजदूरी का काम करता था और सोमवार दोपहर को अपने घर से निकला था। मंगलवार सुबह जब उसका शव मिला, तब तक वह काला पड़ चुका था। प्रारंभिक जांच में यह अनुमान लगाया जा रहा है कि भीषण गर्मी में डिहाइड्रेशन के कारण उसकी मौत हुई होगी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की और शव का पोस्टमॉर्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिया। मौत के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। परिजनों ने रिपोर्ट दी है कि ज्यादा गर्मी और प्यासा रहने की वजह से नेमाराम की जान गई।

पुरानी रंजिश में ट्रक ड्राइवर का अपहरण, पुलिस ने कराया मुक्त

धौलपुर

धौलपुर के कोलारी थाना क्षेत्र में एक ट्रक ड्राइवर के साथ पुरानी रंजिश के चलते अपहरण और मारपीट का मामला सामने आया है। सोमवार रात करीब 11 बजे जागीरपुर गांव के पास एक ढाबे पर खाना खा रहे ड्राइवर को 12 लोगों ने अगवा कर लिया। पीड़ित ड्राइवर ने बताया कि दो साल पहले उसके वाहन से एक युवक की दुर्घटना हुई थी। ड्राइवर ने युवक का इलाज करवाया था। इसी बात की रंजिश रखते हुए आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया। अपहरण के बाद आरोपी उसे अपने घर ले गए। वहां उन्होंने ड्राइवर को पेड़ से बांधकर मारपीट की। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई की। मंगलवार सुबह पुलिस ने ड्राइवर को आरोपियों से मुक्त कराया। पहले उसे बसई नवाब अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक इलाज के बाद उसे धौलपुर रेफर किया गया। दोपहर 12 बजे उसे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। कौलारी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पाली में कार-वैन आमने-सामने भिड़ी, 2 की मौत, 5 घायल, बच्ची पानी-पानी चीखती रही

पाली

हाईवे पर बेकाबू कार और वैन आमने सामने टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहन बुरी तरह डैमेज हो गए। हादसे में 2 की मौत हो गई। जबकि 5 घायल हो गए। स्थानीय लोग धमाके की आवाज सुनकर हादसे वाली जगह पहुंचे। कड़ी मशक्कत के बाद वैन और कार में फंसे घायलों की बाहर निकालकर अस्पताल भिजवाया गया। वहीं एक घायल को जोधपुर रेफर किया गया है। मृतकों की बॉडी मॉर्च्युरी में रखवाई गई है और घायलों का उपचार जारी है। मामला पाली के रानी थाने के वारकाना इलाके की रानी-नाडोल रोड का है। रानी थाना प्रभारी पन्नालाल ने बताया कि इलाके के वारकाना के पास मंगलवार दोपहर 12 बजे 2 कारों में आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में कार सवार जालोर के शंखवाली गांव निवासी रूप सिंह (50) और गुड़ा एंदला निवासी कुकाराम (60) की मौत हो गई। वहीं राजू सिंह गंभीर घायल था जिसे जोधपुर रेफर कर दिया गया है। वहीं वैन सवार गुड़ा केसर सिंह निवासी देवी कंवर (50), उसका बेटा युगवीर (13), बेटी अक्षिता (10) और वैन ड्राइवर वीराराम (50) घायल हो गए हैं। इनका पाली के बांगड़ अस्पताल में इलाज चल रहा है। बता दें कि अस्पताल में कूकाराम के परिजन पहुंच गए। उनकी मौत की खबर सुनकर रोने लगे। वहीं अस्पताल में भर्ती 10 साल की अक्षिता के पैरों में चोट आई है। वह पानी-पानी चिल्लाती रही।

बच्चों के साथ सूरत जाना था

वहीं वैन में सवार देवी कंवर अपने बच्चों के साथ सूरत जाने के लिए निकली थी। दोपहर 2 बजे उनकी रानी से ट्रेन थी। हादसे की जानकारी मिलने पर कांग्रेस नेता महावीर सिंह राजपुरोहित, जोगाराम सोलंकी भी बांगड़ हॉस्पिटल पहुंचे और घायलों हॉस्पिटल भर्ती करवाने में मदद की।
रूप सिंह और राजू सिंह घर में धार्मिक आयोजन के लिए कूकाराम को लेने आए थे। तीनों जालोर की तरफ जा रहे थे।

बकानी में रैगर समाज की जमीन पर कब्जे पर विवाद

झालावाड़

झालावाड़ के बकानी में रैगर समाज ने मिनी सचिवालय में विरोध प्रदर्शन किया। समाज के लोगों ने अपनी खरीदी हुई जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। अखिल भारतीय रैगर महासभा के नेतृत्व में राजू रैगर ने बताया कि माचलपुर रोड पर स्थित खसरा नंबर 1052 की जमीन पर समाज का 50-60 वर्षों से मालिकाना हक है। वे इस जमीन को किराए पर देते आ रहे हैं। कुछ वर्ष पहले पीडब्ल्यूडी ने समाज से सहमति लेकर यहां सड़क का निर्माण किया था। शेष बची जमीन को समाज ने पत्थर स्टॉक के लिए किराए पर दी थी। राधेश्याम गांधी और उनके पुत्र ने इस भूमि के पीछे अवैध कब्जा कर आवासीय प्लानिंग काट दी है। समाज का आरोप है कि राधेश्याम गांधी प्रशासन से मिलीभगत कर उन्हें जमीन से बेदखल करने की कोशिश कर रहे हैं। प्लानिंग का रास्ता समाज की भूमि से निकाला जा रहा है। विरोध करने पर प्रशासन और पुलिस समाज के लोगों को जेल में डाल रही है। उन्हें धमकाया भी जा रहा है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : गुरुवार 22 मई 2025

आप ने छात्र संघ यूनिट का किया शुभारंभ, केजरीवाल बोले- दिल्ली में अब बिजली कटौती होने लगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आप ने अपनी आधिकारिक छात्र शाखा वैकल्पिक राजनीति के लिए छात्र संघ का शुभारंभ किया। इस दौरान आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज हम जिन समस्याओं का सामना कर रहे हैं, उनकी जड़ें आज की राजनीति में हैं, इस हम मुख्यधारा की राजनीति कहते हैं, कांग्रेस, भाजपा और अन्य दलों की राजनीति, जो 75 साल इसी पैटर्न पर चली आ रही है। उन्होंने कहा कि जब आप 10 साल तक दिल्ली में सत्ता में थी, तब 24 घंटे बिजली आती थी। लेकिन आज दिल्ली में बिजली कटौती हो रही है। केजरीवाल ने कहा कि आप पार्टी ने दिल्ली में जिस तरह की राजनीति की है, वह वैकल्पिक राजनीति है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि लोगों को अच्छी शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें। वे ऐसा नहीं चाहते। अभी तीन महीने भी नहीं हुए हैं और रेखा गुप्ता सरकार ने सरकारी स्कूलों को बर्बाद करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि हमारे देश को आजाद हुए 75 साल हो चुके हैं, लेकिन आज भी हमारे सामने तमाम समस्याएं हैं। इन सभी समस्याओं की जड़ सिर्फ मुख्य धारा राजनीति ही है और विकल्प राजनीति से देश की तमाम समस्याओं को खत्म कर सकते है। केजरीवाल ने कहा, देश स्वास्थ्य सेवा की कमी, बेरोजगारी, खाद्य सुरक्षा, बुनियादी ढांचे की कमी जैसी बुनियादी समस्याओं का सामना कर रहा है। इसके पीछे की वजह राजनीति है, इस हम मुख्यधारा की राजनीति भी कहते हैं। यह देश की सभी समस्याओं की जड़ है। कई लोग कहते हैं कि मेरा राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है...राजनीति हर किसी को प्रभावित करती है, आपको जो सत्ता मिलती है वह भी राजनीति से जुड़ी होती है।

ज्योति के पिता बोले पाकिस्तान गई तो क्या दिक्कत, फिर पलटे कहा- यात्रा का हमें नहीं पता

हिसार (एजेंसी)। पाकिस्तान के लिए जासूसी की आरोपी यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के पिता ने पहले दो टूक कहा कि मेरी बेटी पाकिस्तान चली गई तो क्या हो गया। इसमे दिक्कत क्या है? क्या लोग विदेश नहीं जाते, सरकारी अनुमति के बाद ही दूसरे देश में जा सकते हैं। ज्योति भी अनुमति के बाद ही विदेश गई होगी। इस बयान के बाद ज्योति के पिता ने यूटर्न लिया और कहा कि हमे विदेश यात्राओं की कोई जानकारी नहीं है।

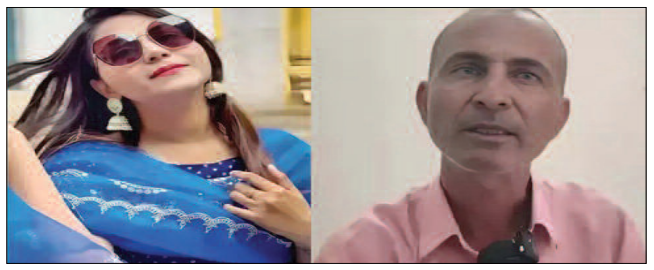

जासूसी कांड में अपनी बेटी के सवाल पर यूटर्न मारते हुए ज्योति के पिता हरीश मल्होत्रा ने कहा, वह मुझसे कहती थी कि वह दिल्ली जा रही है। उसने मुझे कभी कुछ नहीं बताया। यहां बताना जरूरी है कि इससे पहले हरीश मल्होत्रा ने खुद कहा था कि उनकी बेटी ज्योति मल्होत्रा वीडियो शूट करने के लिए पाकिस्तान गई थी। ज्योति के पिता हरीश ने कहा, उसका कोई दोस्त हमारे घर नहीं आया। पुलिस उसे यहां लाई थी। 15 मिनट के लिए रुकी। वह अपने कपड़े लेकर चली गई, उसने मुझसे कुछ नहीं कहा। मुझे नहीं पता कि मैं क्या कहूं। वह घर पर वीडियो बनाती थी। मैंने कभी नहीं कहा कि उसने पाकिस्तान का दौरा किया, वह मुझसे कहती थी कि वह दिल्ली जा रही है। मेरी कोई मांग नहीं है, जो होना है वह होगा।

बता दें कि ट्रैवल विद जो' नामक यूट्यूब चैनल चलाने वाली ज्योति मल्होत्रा 17 मई को गिरफ्तार हुई थी। हरियाणा पुलिस ने हिसार में पाकिस्तानी एजेंसियों के लिए कथित रूप से जासूसी करने के आरोप में उसे गिरफ्तार किया था। अभी वह पुलिस की रिमांड में है। उससे 100 सवालों की बौछार हुई है। उसे लेकर नया खुलासा यह भी हुआ है कि वह अटैक से पहले पहलगाम गई थी। वह कई बार पाकिस्तान और एक बार चीन जा चुकी है। खास बात है कि ज्योति के पिता हरीश ने शनिवार को अपनी बेटी का बचाव किया था। उसकी गिरफ्तारी पर सवाल उठाते हुए पूछा था कि उसे पाकिस्तान में रहने वाले अपने दोस्तों से संपर्क करने की अनुमति क्यों नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी बेटी ने पाकिस्तान की यात्रा से पहले सभी आवश्यक अनुमतियां प्राप्त कर ली थीं। इस बीच जांच में पाया गया है कि ज्योति कथित तौर पर दानिश नाम के एक पाकिस्तानी से हनी ट्रैप का शिकार हुई थी। वह पाकिस्तानी उच्चायोग का कर्मचारी है। उसके बारे में कहा जाता है कि उसका संबंध पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) से है। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, नए खुलासे सामने आए हैं। अब

युद्ध समाधान नहीं... महबूबा मुफ्ती बोलीं- पहलगाम हमले के आंतकी अभी तक नहीं पकड़े गए

श्रीनगर (एजेंसी)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि भारत के परमाणु शक्ति होने के कारण युद्ध कोई अंतिम विकल्प भी नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को पहलगाम हमले के बाद पहले ही बहुपक्षीय प्रतिनिधिमंडल भेजकर देश की स्थिति से अन्य देशों को अवगत कराना चाहिए था। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती ने एएनआई से कहा कि भारत सरकार आज जो कर रही है - विभिन्न देशों में प्रतिनिधिमंडल भेज रही है - उसे पहले ही अन्य देशों में जागरूकता फैलाने के लिए किया जाना चाहिए था कि क्या हुआ है और क्या किया जा सकता है। जब आप परमाणु शक्ति हैं तो युद्ध कोई विकल्प नहीं है, यहां तक कि अंतिम विकल्प भी नहीं है।

पहलगाम आतंकी हमले और बाद की स्थिति का जिक्र करते हुए महबूबा मुफ्ती ने कहा कि हमने पहलगाम में 27-28 लोगों को

खो दिया, और फिर हमने और भी लोगों को खो दिया। कई घर नष्ट हो गए, और हमारा शहर पुंछ नष्ट हो गया। बच्चे और महिलाएं मारे गए, और पहलगाम में शामिल आतंकवादियों को अभी तक पकड़ा नहीं गया है। फिर हमने क्या हासिल किया? मुफ्ती ने कहा कि यह युद्ध नागरिकों के बीच नहीं, बल्कि दो देशों के बीच था। उन्होंने सुझाव दिया कि संघर्ष को राजनीतिक हस्तक्षेप और कूटनीति से सुलझाया जा सकता था।

उन्होंने पूछा, 'सरकार को कई चीजें करनी चाहिए, क्योंकि यह हमारा युद्ध नहीं है। यह दो देशों के बीच है - वह चीज जिसे राजनीतिक हस्तक्षेप और कूटनीति से सुलझाया जा सकता था - जहां चाकू की जरूरत थी, आपने तलवार निकाल दी। इससे क्या हासिल होगा?' उन्होंने आगे कहा कि दोनों देशों को यह समझने की जरूरत है कि युद्ध कोई समाधान नहीं है क्योंकि इससे केवल विनाश होता है, जबकि सीमावर्ती क्षेत्रों में लोगों का जीवन प्रभावित होता है।

मुफ्ती ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि दोनों देश यह समझेंगे कि युद्ध कोई समाधान नहीं है। युद्ध विनाश लाता है और इससे मीडिया की टीआरपी बढ़ती है। सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों, खासकर जम्मू-कश्मीर के लोगों की जिंदगी बर्बाद हो जाती है। इससे पहले, मुफ्ती ने हाल ही में भारत-पाकिस्तान तनाव पर विभिन्न देशों को जानकारी देने के लिए प्रमुख वैश्विक राजधानियों में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने के केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत किया।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में अब पठान की जगह अभिषेक होंगे शामिल

किरेन रिजिजू ने सीएम ममता से बात कर मामले को सुलझाया

कोलकाता (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद वैश्विक स्तर पर भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश भेज रही है। इसमें अब टीएमसी सांसद यूसुफ पठान की जगह पार्टी के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी शामिल होंगे। सीएम ममता बनर्जी ने पार्टी से पूछे बिना पठान को टीम में शामिल करने पर नाराजगी जाहिर की थी। इसके बाद केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने ममता से बात की और मामले को सुलझाने की कोशिश की।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि रिजिजू ने ममता बनर्जी से बात कर प्रतिनिधिमंडल के लिए टीएमसी के प्रतिनिधि के नाम पर उनकी सलाह मांगी। रिजिजू ने माना कि केंद्र को पहले टीएमसी से चर्चा करनी चाहिए थी। इस बातचीत के दौरान ममता ने अभिषेक बनर्जी के नाम की सिफारिश की। इसके बाद टीएमसी ने अभिषेक बनर्जी को प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने के लिए चुना। अब अभिषेक बनर्जी बुधवार रात जापान जाने वाले प्रतिनिधिमंडल में शामिल होंगे। यह घटना तब हुई जब केंद्र सरकार द्वारा टीएमसी सांसद यूसुफ पठान को प्रतिनिधिमंडल में शामिल करने की घोषणा पर विवाद हुआ था। टीएमसी ने इस पर आपत्ति जताई थी कि केंद्र ने बिना उनकी सहमति के प्रतिनिधि का नाम तय कर लिया है। अभिषेक बनर्जी ने कहा था कि केंद्र सरकार को विपक्षी दलों से चर्चा कर प्रतिनिधियों का चयन करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि टीएमसी आतंकवाद के खिलाफ केंद्र के कदमों का समर्थन करती है, लेकिन प्रतिनिधि चयन में पारदर्शिता जरूरी है। टीएमसी ने स्पष्ट किया है कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर केंद्र सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। अभिषेक ने कहा कि हम आतंकवाद के खिलाफ हर कदम में केंद्र का साथ देंगे, लेकिन प्रतिनिधियों का चयन पार्टियों की सहमति से होना चाहिए.' यह दौरा न केवल भारत की आतंकवाद विरोधी नीति को मजबूत करेगा, बल्कि टीएमसी की राष्ट्रीय मंच पर सक्रियता को भी दर्शाएगा।

स्वर्ण मंदिर पर एयर डिफेंस गन्स तैनात करने की बात झूठी, जांच कराएंगे

अमृतसर। स्वर्ण मंदिर के मुख्य ग्रंथी ज्ञानी रघबीर सिंह ने लेफ्टिनेंट जनरल सुमेर इवान डी कुन्हा के उस दावे को खारिज कर दिया है, जिसमें जनरल सुमेर ने कहा था कि गोल्डन टेंपल के ऊपर एयर डिफेंस गन्स तैनात की गई थी। गन्स को तैनात करने के लिए मंजूरी मुख्य ग्रंथी और मैनेजमेंट से ली गई थी। उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान की ओर से स्वर्ण मंदिर को टारगेट किया था। उसके ड्रोन और मिसाइल हमलों से बचाने के लिए यह कदम उठाया गया था और फिर उसके हमलों को नाकाम कर दिया गया। अब स्वर्ण मंदिर के मुख्य ग्रंथी ज्ञानी रघबीर सिंह ने इस दावे को खारिज कर दिया है। ज्ञानी रघबीर सिंह का कहना है कि जिस दौरान परमिशन लेने की बात कही जा रही है, उस समय वह देश में ही नहीं थे। उन्होंने सेना अधिकारी पर ही आरोप लगाया है कि वह झूठ बोल रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने एसपीजीसी से डिमांड की है कि इस मामले में जांच कराई जाए। उनके अलावा अकाल तख्त के कार्यवाहक जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गारगज का भी कहना है कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है, जैसा दावा सेना के अधिकारी कर रहे हैं। इसके अलावा एसजीपीसी चीफ का कहना है कि ऐसी कोई परमिशन नहीं ली गई और ना ही ऐसा कोई वाकया हुआ है। इससे पहले सोमवार को एसजीपीसी ने कहा था कि पाकिस्तान या फिर भारत की सेना गोल्डन टेंपल पर अटैक के बारे में सोच भी नहीं सकते। संस्था का कहना था कि स्वर्ण मंदिर तो जीवन बख्शने वाली जगह है। वहां पर कोई सेना हमला करने के बारे में सोच भी नहीं सकती। बता दें सुमेर इवान डी कुन्हा भारतीय सेना के वायुरक्षा महानिदेशक हैं।

सिंगापुर, हांगकांग सहित कई देशों में फिर बढ़ रहे कोरोना के मामले

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोराना महामारी के काल को कोई भूल नहीं है। इसके पांच साल बाद, दुनिया भर में कोविड-19 के मामले फिर से बढ़े हैं, खासकर हांगकांग और सिंगापुर में मामले तेजी से बढ़े है। सिंगापुर में मामलों की संख्या 28 प्रतिशत बढ़ गई है, जबकि हांगकांग में सिर्फ एक हफ्ते में 31 गंभीर मामले दर्ज हुए हैं।

सिंगापुर में मई महीने के पहले वीकेंड तक कोरोना मामलों की अनुमानित संख्या 11,100 से बढ़कर 14,200 हुई। रोजाना अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या में भी करीब 30 फीसदी की वृद्धि हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार हांगकांग में वायरस हाई इंटेंसिटी पर पहुंच गया है। कोविड-19 मामलों में इस अचानक वृद्धि ने एक नए वेरिएंट की आशंका को भी जन्म दे दिया है।

सिंगापुर: देश में कोविड-19 मामलों में भारी वृद्धि देखी गई है। सिंगापुर के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि एलएफ.7 और

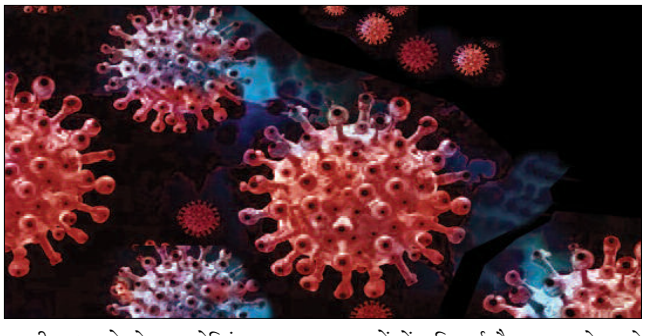

एनबी.1.8, जो जेएन.1 वेरिएंट का एक प्रकार है और नए कोविड-19 टीकों में उपयोग किए जाते हैं, देश में फैल रहे हैं। रोजाना अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या 102 से बढ़कर 133 हो गई, लेकिन रोज आईसीयू में भर्ती होने वालों की संख्या 3 से घटकर 2 हई है।

हांगकांग: हांगकांग में कोविड-19 मामलों में वृद्धि हुई है। चार हफ्ते पहले 6.21 प्रतिशत सैंपल्स के पॉजिटिव होने से बढ़कर 10 मई को वीकेंड में 13.66 प्रतिशत हो गए।

चीन: चीन में कोरोना के मामले फिर से बढ़ रहे हैं, जो बीते साल की वायरल लहर के चरम के करीब पहुंच रहे हैं। चीनी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक हाल के हफ्तों में कोरोना पॉजिटिव लोगों की दर दोगुनी से अधिक हो गई है।

भारत में स्वास्थ्य मंत्रालय के कोविड-19 बुलेटिन के अनुसार, भारत में 93 सक्रिय मामले हैं, लेकिन नई कोरोनावायरस लहर की कोई रिपोर्ट नहीं है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को घबराने की बजाय बुनियादी सावधानियों का पालन करने की सलाह दी है। हालांकि भारत में गंभीर लहर की संभावना कम है, लेकिन सतर्कता बनाए रखनी होगी।

बरतें सावधानी

यदि आप इन देशों की यात्रा कर रहे हैं, जहां कोविड के मामले मौजूद हैं तो अपनी यात्रा की योजना बनाने से पहले सावधानी रखनी जरूरी है। यदि आपकी यात्रा आवश्यक नहीं है, तब इन देशों की यात्रा से बचना सबसे अच्छा है जहां कोविड के मामले बढ़ रहे हैं और विकल्पों की तलाश करें।

'सरकार स्पष्ट करे कि किन मापदंडों के आधार पर संघर्ष विराम किया गया', सचिन पायलट ने सरकार से पूछा सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच अचानक हुए सीजफायर के ऐलान ने कई लोगों को हैरान किया लेकिन जैसा कि पीएम मोदी ने कहा था कि यह दौर युद्ध का नहीं है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने भारत पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा की थी। अब विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने भी सरकार से सीधा सवाल किया है। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार स्पष्ट करे कि पाकिस्तान के साथ हालिया संघर्ष विराम किन आश्वासनों व मापदंडों के आधार पर किया गया। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान की साख व विश्वसनीयता संदिग्ध है।

पायलट ने यहां मीडिया से बातचीत में कहा, 'केंद्र सरकार को यहां स्पष्ट करना चाहिए कि किन मापदंडों को देखकर, किन आश्वासनों के आधार पर संघर्ष विराम किया गया है।÷ उन्होंने कहा, ÷और अमेरिका के हस्तक्षेप व उसकी कश्मीर पर मध्यस्थता की बात को सिरे से नकारना चाहिए। हमारे विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वक्तव्य दें उसका कोई मतलब नहीं है। शीर्ष स्तर से इसका खंडन आना चाहिए कि हमने व्यापार के लोभ में या डर से ये समझौता नहीं किया है।' पायलट ने कहा कि पाकिस्तान की सरकार की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में है। उन्होंने कहा, 'जिस प्रकार से संघर्ष विराम किया गया, इसकी घोषणा एक तीसरे मुल्क के राष्ट्रपति करते हैं। यह अप्रत्याशित है। आज तक कभी ऐसा नहीं हुआ है। पाकिस्तान ने संघर्ष विराम की घोषणा के चंद घंटों बाद उसका उल्लंघन किया... तो जिस देश से आपने समझौता किया है उस देश की क्या साख व विश्वसनीयता है कि आगे इस तरह के काम नहीं होंगे।÷ कांग्रेस नेता ने कहा कि कश्मीर द्विपक्षीय मामला रहा है और इसका अंतरराष्ट्रीयकरण करना बड़ा दुर्भाग्य है और यह होना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा, 'अलग-अलग देशों से जो आवाज आ रही हैं, उनमें कहीं न कहीं भारत और पाकिस्तान को एक तराजू पर तौलने का काम किया जा रहा है, जो गलत है क्योंकि दोनों की कोई तुलना नहीं है।' ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में सबसे पेशेवर सेना भारत की है।

काला चश्मा के शूट के दौरान कैटरीना कैफ के करावाया सभी पांच घंटे इंतजार, बाद में स्क्रीन पर दिखा मैजिक...

कैटरीना कैफ और सिद्धार्थ चतुर्वेदी का पैपी डांस नंबर काला चश्मा आज भी फैंस का फेवरेट बना हुआ है। इतने सालों बाद भी अगर आज इसे किसी पार्टी या फंक्शन में बजा दिया जाए तो पैर खुद ब खुद थिरकने लगते हैं। फिल्म के शूट के दौरान कई ऐसे किस्से कहानियां होते हैं जो हमेशा के लिए यादगार बन जाते हैं। अब एक इंटरव्यू में इस गाने के कोरियोग्राफर बास्को मार्टिस ने एक मजेदार किस्सा शेयर किया है। उन्होंने बताया कि इस गाने की शूटिंग के दौरान कटरीना की एक सलाह बहुत ही ज्यादा काम आई थी, इसने जादू की तरह काम किया। हालांकि वो अलग बात है कि इसके लिए उन्हें पांच घंटे इंतजार करना पड़ा।

बीबीसी एशियन नेटवर्क को दिए इंटरव्यू में बास्को ने कहा कि काला चश्मा का शूट कटरीना को एक लहंगा पहन के करना था। हमने गाने को जिस तरह से कोरियोग्राफ किया था उसमें मूव्स और फुटवर्क बहुत ही ज्यादा था। कटरीना ने पहले दिन तो लहंगा पहन लिया लेकिन दूसरे दिन उन्होंने हमें पांच घंटे इंतजार करवाया। वो मनीष मल्होत्रा द्वारा तैयार की गई एक कस्टम साड़ी पहन रही थीं। ये आइडिया वर्क किया क्योंकि साड़ी में आपको वो डांस मूव्स बहुत ही अच्छे से दिखाई दे रहे थे। इसके अलावा इसमें जो इंडियन एलिमेंट जुड़ा उससे इसका प्रभाव और भी ज्यादा बढ़ गया। ऐसे में ये सारी चीजें जब एक साथ मिलकर काम करती हैं तो स्क्रीन पर मैजिक क्रिएट होता है। ये वहीं जादू था जो कटरीना ने सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ मिलकर क्रिएट किया था। काला चश्मा फिल्म बार बार देखो का गाना था जोकि साल 2016 में रिलीज हुई थी। इसे नित्या मेहरा ने डायरेक्ट किया था। इसका निर्माण करण जौहर और फरहान अख्तर ने किया था।

निम्रत कौर को क्यों नहीं मिल रहीं ज्यादा फिल्में?

निम्रत कौर इन दिनों अपनी लेटेस्ट वेब सीरीज़, द लिगेसी ऑफ़ द रेजिंग्सः कुल की सक्सेस को एंजॉय कर रही हैं। जियोहॉटस्टार पर रिलीज़ हुई इस थ्रिलर-ड्रामा सीरीज़ में रिद्धि डोगरा और अमोल पाराशर ने भी अहम रोल प्ले किया है। इन सबके बीच हाल ही में, दसवीं एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि आखिर उन्हें फिल्में क्यों नहीं मिल रही हैं?

दरअसल मीडिया के साथ हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान, निम्रत ने फिल्में खोने की वजह बताई। एक्ट्रेस दावा किया कि कई लोगों ने मान लिया था कि वह परमानेंटली लॉस एंजिल्स (यूएस) में शिफ्ट हो गई हैं।

अभिनेत्री से पूछा गया कि क्या उनकी एक्टिंग चॉइस ने लोगों को ऐसा सोचने पर मजबूर किया है तो इस उन्होंने जवाब दिया, "मैं इसकी ज़िम्मेदारी लेती हूं। मुझे हमेशा लगता था कि वे जानते हैं कि मैं यहां हूं, लेकिन कई लोगों का मानना था कि मैं एलए (लॉस एंजिल्स) में हूं कि मैं वहाँ चली गई हूं। मुझे विदेश में काम करना पसंद है, लेकिन किसी विदेशी देश रहने के बारे में मैं सोच भी नहीं सकती हूं।"

निम्रत ने आगे कहा, "उन्हें यह भी लगा कि मैं कुछ खास तरह की फिल्में नहीं करना चाहूंगी और मुझे हमेशा हैरानी होती था कि ये धारणाएं कहां से आती हैं, सौभाग्य से, मैं वह काम करने में सक्षम रही हूं जो मुझे सूट करता है और फिर भी मैं आभारी और भाग्यशाली महसूस करती हूं।"

इसके अलावा, उन्होंने इंडस्ट्री की मौजूदा स्थिति और फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर असफल होने के बारे में चर्चा की, अभिनेत्री ने खुलासा किया, "मैं देखती हूं कि मेरे आस-पास बहुत से टैलेंटेड और कैपेबल अभिनेता हैं जिन्हें काम नहीं मिला है। लेकिन घर चलाना पड़ता है, किराया देना पड़ता है, परिवार का भरण-पोषण करना पड़ता है और बिलों का भुगतान करना पड़ता है। आखिरकार ये एक प्रोफेशन है। जब चीजें काम नहीं करती हैं, तो बाजार में घबराहट होती है, बजट कम हो जाता है और प्रोजेक्ट शुरू होने में ज्यादा टाइम लगता है।"

निम्रत ने आगे ये भी बताया कि वह अपने करियर में किस तरह की भूमिका निभाना चाहती हैं। उन्होंने कहा, "मैं वाकई ऐसा कुछ करना चाहती हूं, या हॉरर कॉमेडी भी करना चाहती हूं। मैं रोमांटिक कॉमेडी भी करना चाहती हूं। या फिर जो मैंने पहले किया है, उसमें से बहुत कुछ करना चाहती हूं। मैं एक्शन करना चाहती हूं, और द टेस्ट केस जैसी कोई चीज़ जो मेरे दिल के बहुत करीब है।"

द लंचबॉक्स, एयरलिफ्ट, दसवीं और सजनी शिंदे का वायरल वीडियो जैसी फिल्मों के लिए मशहूर निम्रत कौर, अमिताभ बच्चन और अभिषेक बनर्जी के साथ आने वाली कोर्टरूम ड्रामा, सेक्शन 84 में नजर आएंगीं।

'दसवीं' एक्ट्रेस ने किया खुलासा

'ऑपरेशन खुकरी' पर फिल्म बनाएंगे रणदीप हुड्डा

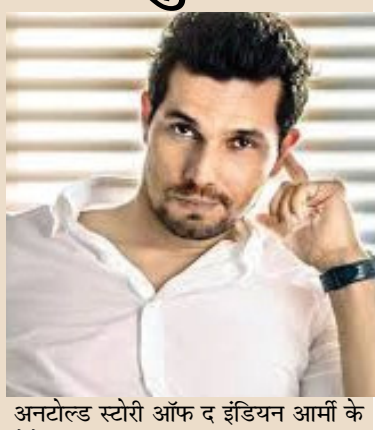

रणदीप हुड्डा इन दिनों अपनी नई फिल्म 'जाट' की सफलता का आनंद ले रहे हैं। अब वह एक और बड़ी फिल्म में नजर आने वाले हैं, जिसमें रोमांचक और देशभक्ति से भरी कहानी होगी। उन्होंने सेना पर आधारित किताब 'ऑपरेशन खुकरी' के फिल्म राइट्स खरीद लिए हैं, यानी अब वह इस किताब पर फिल्म बनाएंगे और उसमें एक्टिंग भी करेंगे। रणदीप हुड्डा ने कहा, "'ऑपरेशन खुकरी' की कहानी ने मुझे भीतर तक प्रभावित किया है। यह सिर्फ गोलियों और जीत की बात नहीं है, बल्कि इसमें बलिदान, भाईचारा और मुश्किल हालात में भी हिम्मत न हारने की कहानी है। यह कहानी दिल से जुड़ने वाली है।"

रणदीप हुड्डा ने 'ऑपरेशन खुकरीः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ द इंडियन आर्मी के ब्रेवेस्ट पीसकीपिंग मिशन अब्रॉड' नाम की किताब के फिल्म बनाने के आधिकारिक राइट्स ले लिए हैं।

शनाया कपूर को क्यों मिली फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां', प्रोड्यूसर ने बताई वजह

प्रोड्यूसर मानसी बागला ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' में शनाया कपूर को लॉन्च करने के अपने फैसले के बारे में खुलकर बात की है। अपनी इस फिल्म को लेकर संजय कपूर की बेटी शनाया काफी समय से सुर्खियों में हैं। फिल्म की प्रोड्यूसर बागला ने खुलासा किया कि वह एक ऐसी नायिका चाहती थीं, जिसमें अल्हड़पन और अनिश्चितता हो, ऐसे गुण जो केवल एक नया चेहरा ही ला सकता था। स्क्रिप्ट लिखते समय उन्हें लगा कि शनाया के टैलेंट और उसके चेहरे के भाव किरदार की मांगों के साथ पूरी तरह मेल खाते हैं, जिसके चलते उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के शनाया को साइन कर लिया। अपनी बात रखते हुए प्रोड्यूसर ने कहा, 'मेरे दिमाग में 'आंखों की गुस्ताखियां' के लिए एक ऐसी नायिका थी, जो नमी और अनिश्चितता लाए। स्क्रिप्ट लिखते समय मुझे लगा कि यह किरदार शनाया कपूर के लिए एकदम सही है। मैं भले ही नई हूं, लेकिन मैं कहानी की नब्ज समझती हूं।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com